लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune

दिनांक 7-10-2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 7-8

ADVANCED TRAINING FOR SCIENTISTS

Hisar: The department of entomology of the Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (HAU) started an advanced training course for scientists under the aegis of the Indian Council of Agriculture Research (ICAR) on Sunday. As many as 24 scientists from different agricultural universities are participating in the refresher course that will continue till October 24. A university spokesperson said that the focus of the refresh course would be on advancement in the biology, conservation, rearing and management of apis and non-apis bees.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम............The Tribune............

दिनांक...7.10.2019........ पृष्ठ सं.....3........ कॉलम....1-2.......

15 get training in agri-business

Hisar: Haryana Agriculture University here joined hands with the National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) for a two-month training programme in agri-business. In all, 15 persons enrolled for the programme. On its completion, they were given certificates last week.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 7.10.2019 पृष्ठ सं. 16 कॉलम 1-5

रीसाइकिलिंग एक्वाकल्चर, सोलर फैंसिंग जैसे 15 बिजनेस मॉडल तैयार कर रहे एचएयू के पहले इंक्यूवेटर

स्टार्टअप के लिए प्रदेशभर से ट्रेनिंग पाने वाले पहले बैच के सदस्यों को दिए प्रमाण पत्र

जास, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने नाबार्ड की मदद से एग्री बिजनेस इंक्यूवेशन सेंटर यानि एबिक की शुरुआत की, जिसमें कई स्तर की स्क्रूटनी के बाद पहल स्कीम के तहत स्टार्ट अप विचार से बिजनेस मॉडल खड़ा करने की इच्छा रखने वाले प्रदेशभर से 15 किसानों व अन्य पेशे से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण के लिए चयनित किया।

दो माह की ट्रेनिंग के बाद अब यह इंक्यूवेटर बाजार में अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए तैयार हैं। इसमें कोई रीसाइकिलिंग एक्वाकल्चर, सोलर फैंसिंग तो कोई गन्ने के जूस में बदलाव करने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। प्रशिक्षण में उन्होंने देशभर से आए एक्सपर्ट से बिजनेस मॉडल को स्थापित करने के तरीकों को जाना। प्रशिक्षण समाप्त होने पर कुलपति व एबिक सेंटर के अध्यक्ष प्रो. केपी सिंह ने समापन समारोह के दौरान इन चयनित 15 इंक्यूवेटर को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इंक्यूवेशन सेंटर न केवल किसानों को व्यवसायी बनाता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह इन्क्यूवेटर व एबिक टीम के साथ।

एबिक सेंटर के यह हैं वह 15 विचार, जिन पर बिजनेस खड़ा करेंगे किसान

- अंबाला के विपिन सरीन गन्ने के जूस में वैल्यू एडिशन करके व पीलिंग मशीन से पानी की बचत करते हुए आने वाले समय में 200 आउटलेट खोलने का उद्देश्य रखते हैं।
- नेवी से रिटायर रेवाड़ी के ओमपाल ने रीसाइकिलिंग एक्वाकल्चर सिस्टम पर
- यमुनानगर के प्रिंस ने मल्टीपरपज फूड प्रोसेसिंग मशीन
- रोहतक के अनुज हुड्डा ने किनोवा, रागी, चिया, ब्लैक राइस से उत्पाद तैयार करने
- स्याहड़वा के सुरेन्द्र सिंह ने स्ट्रा बैरी से तैयार उत्पाद जैम जैली
- हिसार से डिम्पल ने बाजरे से तैयार मल्टीग्रेन कुरकुरे
- हिसार से सात्विक हनी-बी बॉक्स में तापमान नियंत्रित पैनल
- जयपाल सिंह ने सतावर नर्सरी व प्रोसेसिंग यूनिट
- अंकित सिंह ने अपने द्वारा डिजाइन की वेबसाइट के माध्यम से सर्टिफाइड आर्गेनिक उत्पाद बेचने
- विशाल ने वाटर मैनेजमेंट
- सोनीपत के जयकरण ने पराली व अन्य फसल अवशेषों से धान की नर्सरी तैयार करने
- नरेन्द्र सांगवान ने यशुगुम्बा का मैडिसनल यूज
- नरेश कुमार ने गाय के गोबर से धूप व हवन सामग्री तैयार करने
- अंबाला के विवेक ने सोलर फैंसिंग पर
- सशांक मोहन ने एग्रीकल्चर ड्रोन पर बिजनेस मॉडल

ट्रेनिंग में यह सिखाए गए गुर

कंपनी रजिस्ट्रेशन, ट्रेड मार्क, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, कोस्ट कटिंग, सप्लाई चेन, बिजनेस प्लान, गवर्नमेंट स्कीम, नेटवर्किंग, लाइसंसिंग, आइपीआर, जैम पोर्टल पर अपना उत्पाद बेचने, कम पैसे खर्च करके अपना उत्पाद लोगों तक पहुंचाने व बैंक से लोन लेने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया गया।

> यह सेंटर आइआइटी तथा आइआइएम तथा जैसे देश के प्रसिद्ध संस्थानों के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि इसकी कार्यप्रणाली तथा किसानों को व्यवसायी बनाने के लिए किए गए प्रयासों से प्रेरित हो रहे हैं। हमारी कोशिश है कि एबिक सेंटर से जुड़कर युवा व किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाला बनें।
>
> प्रो. केपी सिंह, कुलपति व अध्यक्ष, एबिक सेंटर।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.......अमर उजाला.......

दिनांक 7. 10. 2019 ...... पृष्ठ सं......3...... कॉलम.....3-8.....

कार्यक्रम

कार्यक्रम के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

एचएयू से जुड़कर किसान बनें सफल व्यवसायी : प्रो. केपी सिंह

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की तरफ से आयोजित एग्रीप्रन्योरशिप ओरिएंटेशन कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। इस अवसर पर 15 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। बता दें कि एचएयू ने पहल-2019 के तहत स्टार्ट एप शुरू करने के लिए इनोवेटिव आइडियाज मांगे थे, जिसमें विश्वविद्यालय को 170 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से विश्वविद्यालय ने 17 आइडिया का चयन किया था।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति व एबीक सेंटर के अध्यक्ष प्रो. केपी सिंह ने कहा कि यह एबिक सेंटर आईआईटी और आईआईएम जैसे देश के प्रसिद्ध संस्थानों के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि इस सेंटर की कार्यप्रणाली और किसानों को व्यवसायी बनाने के लिए किये गए प्रयासों से प्रेरित हो रहे हैं।

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह प्रशिक्षणार्थियों व एबिक टीम के साथ। - अमर उजाला

उन्होंने आह्वान किया कि एबिक सेंटर से जुड़कर युवा व किसान रोजगार मांगने के बजाय रोजगार देने वाला बन सकता है। उन्होंने कहा कि इन्क्यूबेशन सेंटर न केवल किसानों को व्यवसायी बनाता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं एबिक के प्रिंसिपल इनवेस्टिगेटर डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कंपनी रजिस्ट्रेशन, ट्रेड मार्क, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, कोस्ट कटिंग, सप्लाई चेन, बिजनेस प्लान, गवर्नमेंट स्कीम्स, नेटवर्किंग, लाइसेंस, आईपीआर, जैम पोर्टल पर अपना उत्पाद बेचने, कम पैसे खर्च करके अपना उत्पाद लोगों तक पहुंचाने व बैंक से लोन लेने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया गया।

यह स्टार्ट अप करेंगे शुरू

एबिक नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि अंबाला के विपिन सरीन गन्ने के जूस में वैल्यू एडिशन पर, नेवी से रिटायर्ड रेवाड़ी के ओमपाल ने रिसाइकलिंग एक्वाकल्चर सिस्टम पर, यमुनानगर के प्रिंस ने मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन, रोहतक के अनुज हुड्डा ने किनोवा, रागी, चिया, ब्लैक राइस से उत्पाद तैयार करने, हिसार के स्याहड़वा के सुरेन्द्र सिंह ने स्ट्राबेरी से तैयार उत्पाद जैम जैली, हिसार से डिम्पल ने बाजरे से तैयार मल्टीग्रेन कुरकरे, हिसार से सात्विक हनी-बी बॉक्स में तापमान नियंत्रित पैनल, जयपाल सिंह ने सतावर नर्सरी व प्रोसेसिंग यूनिट, अंकित सिंह ने अपने द्वारा डिजाइन की वेबसाइट के माध्यम से सर्टिफाइड ऑर्गेनिक उत्पाद बेचने, विशाल ने वाटर मैनेजमैंट पर, सोनीपत के जयकरण ने पराली व अन्य फसल अवशेषों से धान की नर्सरी तैयार करने, नरेंद्र सांगवान ने यशुगुंबा का मेडिसनल यूज, नरेश कुमार ने गाय के गोबर से धूप व हवन सामग्री तैयार करने, अंबाला के विवेक ने सोलर फैंसिंग पर, सशांक मोहन ने एग्रीकल्चर ड्रोन पर अपने बिजनेस मॉडल तैयार किए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 7.10.2019 पृष्ठ सं 4 कॉलम 7-8

एचएयू में 15 इन्यूबेटी ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया, प्रमाण भी बांटे

एचएयू में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले वीसी प्रो. केपी सिंह के साथ।

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसानों और युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय के साथ मिलकर आगे बढ़ने का मौका प्रदान किया। एचएयू ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर ने पहल-2019 स्कीम के तहत इन्यूबेटी बनाने के लिए आवेदन मांगे थे। इसमें 170 आवेदन प्राप्त हुए, जिनको विभिन्न चयन प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद 17 लोगों का चयन दो माह के एग्रीपैन्योरशिप आरिएंटेशन प्रोगाम के लिए किया गया था, जिसमें से 15 इन्यूबेटी ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। चयनित 15 इन्यूबेटी को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। विवि के कुलपति व एबीक सेंटर के अध्यक्ष प्रो. केपी सिंह ने पहली ऐसी अधिकारिक एग्रीपैन्योरशिप ट्रेनिंग को सफलतापूर्वक करने पर प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह एबिक सेंटर आईआईटी तथा आईआईएम तथा जैसे देश के प्रसिद्ध संस्थानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना हुआ है। कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं एबिक के प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. आरके झोरड़ ने भी जानकारी। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कंपनी रजिस्ट्रेशन, ट्रेड मार्क, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्किटिंग, कोस्ट कटिंग, सप्लाई चेन, बिजनेस प्लान, नेटवर्किंग, लाइसंसिंग, आईपीआर आदि उत्पादों के बारे में बताया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भूमि
दिनांक 7.10.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 2-6

चयनित 15 इन्यूबेटी ने लिया 2 माह का प्रशिक्षण

हकृवि से जुड़कर किसान बन सकते हैं सफल व्यवसायी : कुलपति

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों और युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय के साथ मिलकर आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर प्रदान किया है। इसी कड़ी के तहत विश्वविद्यालय ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर ने पहल-2019

- एबिक सैंटर से जुड़कर युवा तथा किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाला बने

हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह इन्क्यूबेटी व एबिक टीम के साथ।

स्कीम के तहत इन्यूबेटी बनाने के लिए आवेदन मांगे थे जिसमें 170 आवेदन प्राप्त हुए जिनको विभिन्न चयन प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद 17 लोगों का चयन दो माह के एग्रीपैन्योरशिप आरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए किया गया था जिसमें से 15 इन्यूबेटी ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति व एबीक सैंटर के अध्यक्ष प्रो.केपी सिंह ने समापन समारोह के दौरान इन चयनित 15 इन्यूबेटी को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस मौके पर प्रो. सिंह ने कहा कि हकृवि से जुड़कर किसान सफल व्यवसासी बने। हकृवि के एबिक सैंटर से जुड़कर युवा तथा किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाला बने।

इन्यूबेटी ने तैयार किए अपने बिजनेस मॉडल

एबिक नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि 15 इन्क्यूबेटी में से अम्बाला के विपिन सरीन गन्ने के जूस में वैल्यू एडिशन करके व पीलींग मशीन से पानी की बचत कर आने वाले समय में 200 आउटलैट खोलने का उद्देश्य रखते हैं।

नेवी से रिटायर रिवाड़ी के ओमपाल ने रिसाइकलिंग एक्वाकल्चर सिस्टम पर, यमुनानगर के प्रिंस ने मल्टीपरपज फूड प्रोसैसिंग मशीन, रोहतक के अनुज हुड्डा ने किनोवा, रागी, चिया, ब्लैक राइस से उत्पाद तैयार करने, स्याहड़वा के सुरेन्द्र सिंह ने स्ट्रा बैरी से तैयार उत्पाद जैम,जैली, हिसार से डिम्पल ने बाजरे से तैयार मल्टीग्रेन कुरकरे, हिसार से सात्विक हनी-बी बॉक्स में तापमान नियंत्रित पैनल, जयपाल सिंह ने सतावर नर्सरी व प्रोसैसिंग यूनिट, अंकित सिंह ने अपने द्वारा डिजाइन की वैबसाइट के माध्यम से सर्टिफाइड आर्गेनिक उत्पाद बेचने, विशाल ने वाटर मैनेजमैंट पर, सोनीपत के जयकरण ने पराली व अन्य फसल अवशेषों से धान की नर्सरी तैयार करने, नरेन्द्र सांगवान ने यशुगुम्बा का मैडिसनल यूज, नरेश कुमार ने गाय के गोबर से धूप व हवन सामग्री तैयार करने, अम्बाला के विवेक ने सोलर फैंसिंग पर, सशांक मोहन ने एग्रीकल्चर ड्रोन पर अपने-अपने बिजनेस मॉडल तैयार किए।

एबिक सैंटर देश के प्रसिद्ध संस्थानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना

विश्वविद्यालय के कुलपति व एबीक सैंटर के अध्यक्ष प्रो.के.पी. सिंह ने पहली ऐसी अधिकारिक एग्रीपैन्योरशिप ट्रेनिंग को सफलतापूर्वक करने पर प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह एबिक सैंटर आईआईटी तथा आईआईएम तथा जैसे देश के प्रसिद्ध संस्थानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना हुआ है। विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि इस सैंटर की कार्यप्रणाली तथा किसानों को व्यवसायी बनाने के लिए किए गए प्रयासों से प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि एबिक सैंटर से जुड़कर युवा व किसान रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाला बन सकता है।

किसानों को किया जा रहा जागरूक : झोरड़

विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं एबिक के प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. आरके झोरड़ ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कंपनी रजिस्ट्रेशन, ट्रेड मार्क, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्किटिंग, कोस्ट कटिंग, सप्लाई चेन, बिजनेस प्लान, गवर्नमेंट स्कीम्स, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, आईपीआर, जैम पोर्टल पर अपना उत्पाद बेचने, कम पैसे खर्च करके अपना उत्पाद लोगों तक पहुंचाने व बैंक से लोन लेने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........ पंजाब केसरी ....
दिनांक 7. 10. 2019 .... पृष्ठ सं. 3 .... कॉलम 1-5 ....

हकृवि से जुड़कर किसान बनें सफल व्यवसायी : प्रो. सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह इन्क्यूबेटी व एबिक टीम के साथ।

हिसार, 6 अक्तूबर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों और युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय के साथ मिलकर आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर प्रदान किया है। इसी कड़ी के तहत विश्वविद्यालय ने एग्री बिजनैस इन्क्यूबेशन सैंटर ने पहल-2019 स्कीम के तहत इन्यूबेटी बनाने के लिए आवेदन मांगे थे जिसमें 170 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनको विभिन्न चयन प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद 17 लोगों का चयन 2 माह के एग्रीपैन्योरशिप आरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए किया गया था जिसमें से 15 इन्यूबेटी ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति व एबीक सैंटर के अध्यक्ष प्रो. के.पी. सिंह ने समापन समारोह के दौरान इन चयनित 15 इन्यूबेटी को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

यह बोले कुलपति

प्रो. सिंह ने कहा कि हमारे किसान मेहनती, जागरूक, ईमानदार, पारदर्शी तथा काम के प्रति समर्पित हैं और ए गुण उनको एक सफल व्यवसायी बनाने में मददगार होंगे। इस मंच के माध्यम से हमारे किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि के क्षेत्र में सफल उद्यमी होने की तरफ अग्रसर हैं।

उन्होंने कहा कि एबिक किसानों को सीधेतौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उनके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य को पूरा कर रहा है। इन्क्यूबेशन सैंटर न केवल किसानों को व्यवसायी बनाता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है।

यह बोले वैज्ञानिक

विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं एबिक के प्रिंसीपल इन्वैस्टीगेटर डा. आर. के. झोरड़ ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कंपनी रजिस्ट्रेशन, ट्रेड मार्क, ब्रांडिंग, डिजीटल मार्कीटिंग, कोस्ट कटिंग, सप्लाई चेन, बिजनैस प्लान, गवर्नमैंट स्कीम्स, नैटवर्किंग, लाइसैंसिंग, आई.पी.आर., जैम पोर्टल पर अपना उत्पाद बेचने, कम पैसे खर्च करके अपना उत्पाद लोगों तक पहुंचाने व बैंक से लोन लेने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओ.एस.डी., रजिस्ट्रार, डीन, डायरैक्टर्स, अधिकारी व एबिक की पूरी टीम उपस्थित थी।